मैंग्रोव वन :-

- इन्हे दलदली या गरान या अनूप या ज्वारीय वन भी कहा जाता है।
- विकास - डेल्टाई भागों में।
- इन वनस्पतियों की जड़े जल से बाहर निकली होती है जिनसे सीधे वायुमंडल से श्वसन क्रिया की जाती है।
- मुख्य वनस्पति - सुंदरी वृक्ष → की अधिकता के कारण - सुंदरवन
- विश्व के कुल वनों का लगभग 3% भारत में मिलते हैं।

→ चक्रवातों की तीव्रता को कम करते हैं

→ इन वनों की प्राप्ति :- ① प० बंगाल

② गुजरात

③. अंडमान - निकोबार

④. आंध्रप्रदेश

⑤. उड़ीसा

⑤. पर्वतीय वन :- पर्वतों की ऊंचाई बढ़ने के साथ ही तापमान व वर्षा की मात्रा भी बदलती है अतः वनस्पतियों में भी विविधता देखी जाती है।

- हिमालय के पर्वतीय वन ✓
- दक्षिण भारत के पर्वतीय वन ✓

हिमालय के पर्वतीय वन -

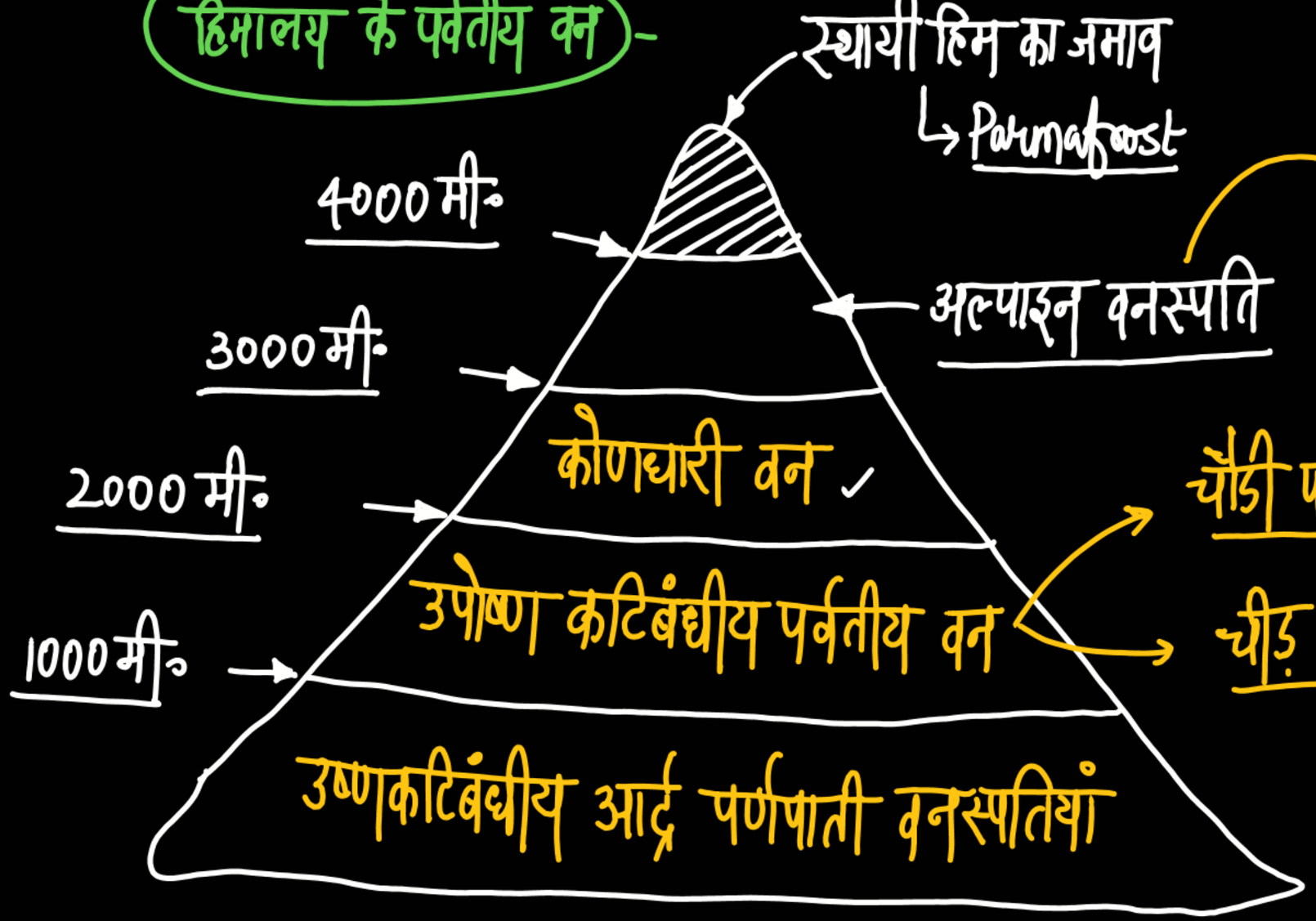

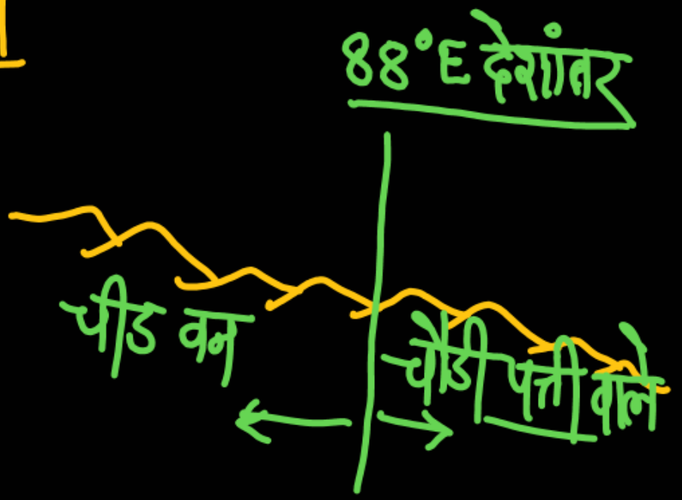

उपोष्ण कटिबंधीय पर्वतीय वन

चौड़ी पत्ती वाले वन

- → 84° E देशांतर के दाएँ ओर
- → यहाँ वर्षा की मात्रा 125cm से ज्यादा
- → वृक्ष - ओक, चेस्टनट, मैपल आदि

चीड़ वन

- → 84° E देशांतर के बाएँ ओर
- → यहाँ वर्षा की मात्रा 75-100 cm
- → वृक्ष - चीड, देवदार

कोणधारी पर्वतीय वन :- 1800 से 3000 मीटर के मध्य

- वर्षा की मात्रा 150 से 200 CM
- कोमल लकड़ी की प्राप्ति → अतः वाणिज्यिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण
- मुख्य वनस्पतियां – स्प्रूस, पाइन (चीड), देवदार, फर, चिनार, बालन आदि

#. दक्षिण भारत के पर्वतीय वन – अनामलई, नीलगिरि, पलनी श्रेणियों में इनकी प्राप्ति होती है जो 1500 मी की ऊंचाई से ऊपर मिलते हैं, इन्हे सोला या सोलास वन कहा जाता है।

मुख्य वनस्पतियाँ – वैटल, लॉरेल, मैग्नोलिया, सिनकौना आदि।

{ मलेरिया या दवा कुनैन बनाई जाती है।

प्रथम राष्ट्रीय वन नीति :- (1952)

↳ नवीनतम राष्ट्रीय वन नीति - (1988)

कम से कम देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के 1/3 हिस्से में वन अनिवार्य हैं।

↓

लगभग 33% ✓